UNIVERSITY OF CAMBRIDGE LOCAL EXAMINATIONS SYNDICATE
in collaboration with
MINISTRY OF EDUCATION, SINGAPORE
General Certificate of Education Ordinary Level

**HINDI** **3195/02**

Paper 2 Language Usage and Comprehension

October/November 2003

**1 hour 30 minutes**

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

**READ THESE INSTRUCTIONS FIRST**

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, index number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen on both sides of the paper.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.

This document consists of **10** printed pages and **2** blank pages.


© UCLES 2003
UNIVERSITY of CAMBRIDGE
Local Examinations Syndicate
**[Turn over**

## Section A
## खंड क

**A1 Combination of Words** [10]
**संधि**

निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए और अपने उत्तर दिए गए उत्तर पत्र में लिखिए।

1 नर + ईश

2 सूर्य + उदय

3 विद्या + आलय

4 प्रति + अक्ष

5 सु + आगत

## A2 Idioms, Proverbs and Words in Pairs [10]
## मुहावरे, लोकोक्तियाँ और सहप्रयोग

निम्नलिखित वाक्यों में भरने के लिए नीचे दिए गए मुहावरों, लोकोक्तियों और सहप्रयोगों में से उपयुक्त मुहावरे, लोकोक्तियाँ और सहप्रयोग चुनिए और उन्हें उत्तर-पत्र में लिखिए।

**6** चलिए अदालत में चलते हैं वहाँ हो जाएगा।

**7** गाँधी जी अपने बेटों को बड़ा नहीं बना पाए, कहते हैं _____ होता है।

**8** चोर सिपाही को देखते ही _____ हो गया।

**9** राजू ने झाँक कर देखा, दूर-दूर तक कोई नहीं था।

**10** राम के लौटने पर अयोध्या वासियों ने _____।

| | | | |
|---|---|---|---|
| (1) | नौ दो ग्यारह होना | (6) | दीपक तले अँधेरा |
| (2) | जैसी करनी वैसी भरनी | (7) | जब-तब |
| (3) | सच-झूठ | (8) | धरती पर पाँव न पड़ना |
| (4) | घी के दीये जलाना | (9) | अगल-बगल |
| (5) | आकाश के तारे तोड़ना | (10) | दूध का दूध पानी का पानी |

## A3 Sentence Transformation [10]

**वाक्य रूपान्तरण**

निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए अधूरे वाक्यों को इस तरह बदल कर पूरा कीजिए कि उनका अर्थ ऊपर दिए गए वाक्यों से भिन्न न हो। अपने उत्तर दिए गए उत्तर-पत्र में लिखिए।

11 सुबोध मन लगाकर पढ़ता है इसीलिए हमेशा प्रथम आता है।
मन लगाकर पढ़ने के कारण ।

12 कल्पना बच्चे को सुला रही है।
बच्चा ।

13 अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत।
चिड़िया के खेत ।

14 बड़ों का आदर करना सीखो।
तुम्हें बड़ों का _____ ।

15 वह मंच पर आया और दर्शक तालियाँ बजाने लगे।
दर्शक उसके मंच _____ ।

## A4 Cloze Passage [20]
**क्लोज़ पैसेज**

**नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर उनकी संख्या को अपने उत्तर पत्र में लिखिए।**

प्राचीन युग के लोग पेड़-पौधों के **16** को हमसे कहीं ज़्यादा अच्छी तरह समझते थे। जूलियस सीज़र के समय पूरा योरोप घने वनों से ढका था। रोमन सम्राट जूलियन के **17** में तो हालत ये थी कि अगर कोई पेड़-पौधा मुरझाया दिखाई दे जाता तो राहगीर चिल्ला-चिल्ला कर लोगों को ध्यान दिलाते थे। तुरंत **18** की बाल्टियाँ डाली जाती थीं और पेड़ के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की जाती थी। उत्तरी अमरीका के रेड इंडियन लोगों का **19** प्रेम तो जग-प्रसिद्ध है। फ़िजी के लोग नारियल को तोड़ने से पहले उसके पेड़ से अपनी **20** मिटाने की आज्ञा माँगते थे। अफ़्रीका में सेमल के पेड़ **21** माने जाते थे। और भारत में तो वृक्षों को **22** की परंपरा आज भी जीवित है। तुलसी, पीपल और केले की पूजा तो काफ़ी व्यापक क्षेत्र में की जाती है लेकिन राजस्थान में खेजड़ी के पेड़ की भी पूजा होती है। यह बबूल जाति का फलीदार पेड़ है जो **23** को उपजाऊ बनाता है और पौष्टिक फलियाँ व चारा प्रदान करता है। इसी पेड़ के एक जंगल की **24** के लिए सन 1729 में राजस्थान की जोधपुर रियासत के खेजड़ली गाँव के 369 स्त्री-पुरुषों और बच्चों ने अपनी जानें न्योछावर कर दी थीं। इस घटना को दुनिया का **25** पर्यावरण रक्षा का आंदोलन माना जाता है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (1) | राज्य | (6) | पानी | (11) | भूख |
| (2) | महत्व | (7) | प्रकृति | (12) | काटने |
| (3) | संपत्ति | (8) | पहला | (13) | घर |
| (4) | अशुभ | (9) | रक्षा | (14) | पत्ते |
| (5) | पूजने | (10) | पवित्र | (15) | मिट्टी |

## Section B

## खंड 'ख'

**निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

भारत के गुजरात राज्य में फैले कच्छ के खारे दलदल में एक छोटा सा गाँव है, कोटड़ा। यहाँ कुछ साल पहले हुई खुदाई में प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के ज़माने के एक बड़े शहर धौलवीरा के अवशेष मिले हैं, जिनकी वजह से कोटड़ा पूरी दुनिया में मशहूर हो गया।

धौलवीरा के चारों ओर ऊँचे-ऊँचे परकोटे थे जिनके भीतर पानी के कई तालाब और शहर के तीनों मुख्य भाग सुरक्षित थे। सबसे ऊँची ज़मीन पर एक क़िला था, उससे निचली ज़मीन पर बीच का शहर और सबसे निचली ज़मीन पर निचला शहर। क़िले के भीतर ज़मीन के अंदर ही अंदर पक्की नालियों का ऐसा जाल बिछाया गया था जिससे क़िले की दीवारों, छतों, प्रांगणों और गलियारों में पड़ने वाले पानी की एक-एक बूँद एक तालाब में जाकर जमा हो जाए।

दरअसल पानी के ये तालाब इस पाँच हज़ार साल पुराने शहर की कई आश्चर्यजनक खूबियों में प्रमुख हैं। इसके परकोटों के भीतर इतने सारे तालाब बनाए गए थे कि आकाश से देखने पर यह झीलों का एक ताना-बाना सा लगे। कुल मिलाकर ये तालाब कोई ढाई लाख घन मीटर पानी जमा कर सकते थे, जो कि एक सूखे इलाक़े के शहर के लिए आज के लिहाज़ से भी असाधारण बात है।

धौलवीरा के लोग ताँबे, मनके, पत्थरों और सीपियों का काम करने और चीनी मिट्टी के बरतन बनाने की कला में भी माहिर थे। उनका शहर देखने में शायद गुलाबी और सफ़ेद लगता था, जिसकी दीवारें, सड़कें, फ़र्श और घरों की छतें भी पकी हुई मिट्टी के गेरुए रंग से चमचमाती थीं। शहर के बीचोंबीच एक बड़ा मैदान भी था जिसके एक भाग में काट कर बनाई गई पैड़ियों से लगता है कि यह कोई खुला रंगमंच था।

साइनबोर्ड की शुरुआत भी दुनिया में सबसे पहले शायद धौलवीरा के लोगों ने ही की होगी। खुदाई में एक पत्थर का साइनबोर्ड मिला है जो शहर के दरवाज़े पर लगा हुआ था। कुछ विद्वानों की राय है कि यह हथगाड़ियों और बैलगाड़ियों के ट्रैफ़िक को दिशा देने वाला आदेश था। लगता है हमारी तरह धौलवीरा के लोग भी बढ़ते ट्रैफ़िक से परेशान थे।

## B5 MCQ Comprehension [14]

**आशय समझना**

ऊपर दिए गए अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे चार-चार उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर को चुन कर उत्तर पत्र में उसकी संख्या लिखिए।

**26** कोटड़ा क्यों मशहूर है?

(1) कच्छ के खारे दलदल में होने की वजह से
(2) खुदाई की वजह से
(3) धौलवीरा के अवशेष मिलने की वजह से
(4) नील घाटी की सभ्यता की वजह से

**27** धौलवीरा का क़िला कहाँ था?

(1) परकोटे के बाहर
(2) सबसे ऊँची ज़मीन पर
(3) निचली ज़मीन पर
(4) तालाबों के बीच

**28** क़िले में नालियों का जाल कहाँ बिछाया गया था?

(1) ज़मीन के अंदर
(2) दीवारों के साथ
(3) छतों के नीचे
(4) गलियारों में

**29** धौलवीरा की प्रमुख खूबी क्या है?

(1) पत्थर का साइनबोर्ड
(2) शहर के मैदान का खुला रंगमंच
(3) पानी के तालाब
(4) चारों ओर के परकोटे

**30** धौलवीरा देखने में कैसा लगता था?

(1) क़िले जैसा
(2) गुलाबी और सफ़ेद
(3) गेरुए रंग का
(4) हराभरा

31 धौलवीरा के मैदान में पैड़ियाँ क्यों बनाई गई थीं?

(1) उतर कर जाने के लिए
(2) पानी जमा करने के लिए
(3) नहाने के तालाब के लिए
(4) खुले रंगमंच के लिए

32 धौलवीरा का साइनबोर्ड किस लिए था?

(1) दरवाज़ा बनाने के लिए
(2) ट्रैफ़िक को दिशा देने के लिए
(3) खुदाई के लिए
(4) सुरक्षा के लिए

## Section C
## खंड 'ग'

**नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

भूख और ग़रीबी को लेकर विश्वव्यापी चर्चा होती रही है और दुनिया भर की सरकारें इस समस्या पर न केवल चिंता प्रकट करती रही हैं, बल्कि इसे मिटाने के संकल्प भी दोहराती रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने ग़रीबी को मानव मात्र के गौरव के लिए कलंक बताते हुए स्वीकार किया है कि आज भी करोड़ों लोग बहुत कम आय में गुज़र करने को विवश हैं। उन्हें न साफ़ पीने का पानी नसीब होता है, न भरपेट भोजन, न तन ढकने को पूरा कपड़ा और न सर छिपाने को पक्की छत।

भूख और ग़रीबी की इस दुनिया के दूसरे छोर पर उन तीन सर्वाधिक धनी लोगों की दुनिया है जिनकी संपत्ति विश्व के 48 ग़रीब देशों की कुल संपत्ति से ज़्यादा मानी जाती है। दुनिया के बीस सबसे धनी व्यक्तियों की कुल दौलत के केवल एक प्रतिशत हिस्से से समूचे निर्धन देशों के बच्चों की प्राथमिक शिक्षा का प्रबंध हो सकता है। फिर भी हमारी इस दुनिया में भूख और ग़रीबी झेलने वाले लोगों के मानव-अधिकारों की कोई चर्चा नहीं होती।

ऐसा नहीं है कि मानव-अधिकारों के लिए आवाज़ नहीं उठाई जाती। पुलिस और सरकारों के अत्याचार, महिलाओं के दमन, और अल्प संख्यकों के साथ भेदभाव को मानव-अधिकारों का हनन बता कर उनके विरुद्ध आवाज़ उठाई जाती है। लेकिन मानव-अधिकारों की चिंता करने वालों के मुँह से भी भूख और ग़रीबी के ख़िलाफ़ आवाज़ सुनाई नहीं देती। मगर क्यों? जिन कारणों से समाज में भूख और ग़रीबी बढ़ रही है, क्या वे कारण मानव-अधिकारों का हनन नहीं हैं। क्या हवा और पानी को उद्योगों के धुएँ और कचरे से गंदा करना मानव-अधिकारों का हनन नहीं है? इससे पैदा होने वाली बीमारियों को उसी श्रेणी में क्यों नहीं रखा जाता जिस श्रेणी में स्त्रियों और अल्प संख्यकों के साथ होने वाले अन्याय को रखा जाता है।

भूख और ग़रीबी की समस्या मानव-अधिकारों की वकालत करने वालों के लिए ही नहीं धार्मिक नेताओं के लिए भी एक चुनौती है। वे समाज को सही दिशा देने और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए धार्मिक स्वतंत्रता और नैतिकता की ज़रूरत पर बल देते हैं। लेकिन क्या भूख और जहालत की ज़िंदगी बसर करने वाले व्यक्ति के लिए धर्म और नैतिकता का कोई अर्थ रह जाता है?

## C6 OE Comprehension [36]
**आशय समझना**

**33** संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने क्या स्वीकार किया है?

**34** भूख और ग़रीबी की दुनिया के दूसरे छोर पर किन लोगों की दुनिया है और उससे क्या किया जा सकता है?

**35** मानव-अधिकारों के किस तरह के हनन के लिए आवाज़ उठाई जाती है?

**36** भूख और ग़रीबी को मानव-अधिकारों का हनन सिद्ध करने के लिए लेखक ने क्या दलीलें दी हैं?

**37** भूख और ग़रीबी की समस्या किस-किस के लिए चुनौती है और क्यों?

**38** भूख और ग़रीबी की समस्या हमारी कथनी और करनी के अंतर को उजागर करती है, स्पष्ट कीजिए?

## C7 Vocabulary [10]
**शब्दार्थ**

ऊपर दिए गए अवतरण के रेखांकित शब्दों को नीचे दिया गया है। इनका अर्थ लिखिए।

**39** संकल्प

**40** संपत्ति

**41** भेदभाव

**42** श्रेणी

**43** चुनौती

**BLANK PAGE**

**BLANK PAGE**